

26-12-19

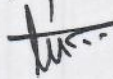
पत्रावली पेश हुई। कमील जरीफिन उपस्थित।
इस पक्ष द्वारा बहस शुरू की गयी है।

कमील जरीफाट ने मामले में बहस करते
इस कमील में इंग्लिश लिखें। इस को दोहराने
इस कथन कि इमीलाधीन आदेश
इमीलाधन नामालूम न इतने क्षेत्राधिकार है बाहर
आकर विवेक प्रवधानों की विपरीत पाठि लिखा है।
इमीलाधन नामालूम न उचितरीति की तबकी हेतु
सम्मान जारी किने परन्तु दिनांक 20-4-2015 को
सम्मान तभीलि केवल इतने नामील प्राप्त नहीं होने
पर प्रत्यक्षता को सम्मान सपेक्षे अ. 2. केस की
कठिना पारिज किना जिनी पालना है इमीलाधन
सम्मान सपेक्षे अ. 2 लिखाकर रसीडे नामालूम में पेश
कर दी। इमीलाधन नामालूम न पत्रावली का इलाकेका
लिखे किना ही इमीलाधीन कठिना पाठि कर
दिना जो विवेक प्रवधानों के खेलाक क्षेत्र में
काठिले खारिज है। इमीलाधीन मडिना जारी
करने है प्रती इमीलाधन को सुनवाई का प्रती
अवकाश ही दिना जना। पत्रावली का केस
कोई में रखे जाते बाकि इमीलाधन का कोई
सुनना नहीं है। इन कारण है इमीलाधीन
आदेश प्राथमिक नामालूम सिद्धों है विपरीत
है। इमीलाधन नामालूम न इतने हल्के पूल वाड
के सिद्धांत के बावजूद भी एमें डिडी प्रती
जारी किना जाना चाहिए था जो नहीं किना उका है
डिडी प्रती जारी बाकि के कठिना का लिखि है

अन्तर्गत है जो इलाका है, इन नमूने
के इमीलाधीन कठिना, मेहनत सपेक्षे
१८०.

उपरोक्त विवेचन के इलाके में इमीत
इमीलाह आशीक कप से खीलाएर इमीलाहीन
निर्णय, जो 200 इमीलाह द्वारा राजन भूले बाद
से 111/2014, मंगलराज कानन राजेन्द्र सिंह वॉश
में दिनांक 11.7.2016 को पारित किया है, अपाक
किया जाता है तथा मातल इमीतल न्यायालय
को एक निर्देश के साथ रिमाण्ड किया जाता है
कि वह वाद को पुनः सुनवाई के प्रक्रम में
रखकर अतिवादीगण की सम्पदा तारीख सुनिश्चित
करने हुए इमन पक्ष को सुनवाई का समुचित
अवकाश देने के बाद गुणाक्युण पर निर्णय पारित करे।
निर्णय सुनाया गया।

पत्रावली फौजल शुमार होकर गैरत से
कम हो। बाद तदानीन दाखिल दफ्तर हो।
इमीतल न्यायालय की पत्रावली निर्णय की
उक्त प्रति के साथ लौटाई जाये।


राजद्वय शर्मा प्राधिकारी
जोधपुर